**भारत सरकार**

**विदेश मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या - 5615**

दिनांक 04.04.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

**भारत-जापान रणनीतिक भागीदारी**

5615. **श्री बृजमोहन अग्रवालः**
**श्रीमती अपराजिता सारंगीः**
**श्री बलभद्र माझीः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत और जापान द्वारा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक भागीदारी को सुदृढ़ बनाने के लिए कौन-कौन से ठोस कदम उठाए जा रहे हैं;
(ख) क्या जापान और भारत के बीच हाल ही में आयोजित बैठक में रक्षा और सुरक्षा सहयोग के संबंध में कोई चर्चा हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या जापान द्वारा भारतीय रक्षा उत्पादन नीति में किसी नई भागीदारी का प्रस्ताव किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) दोनों देश विशेष रूप से प्रौद्योगिकी और अवसंरचना जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने की योजना किस प्रकार बना रहे हैं;
(ङ) भारत में जापानी निवेश की वर्तमान स्थिति क्या है और क्या भारत में नई परियोजनाओं में निवेश के संबंध में जापान की ओर से कोई नई प्रतिबद्घताएं की गई हैं; और
(च) क्या उक्त भागीदारी और जापान द्वारा किए जाने वाले संभावित निवेश के कारण छतीसगढ़ को अवसंरचना और औद्योगिक विकास के माध्यम से लाभ मिलने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
**[श्री कीर्तवर्धन सिंह]**

(क) भारत की एक्ट-ईस्ट नीति और सागर दृष्टिकोण, तथा जापान के खुले एवं मुक्त हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण में कई समानताएं हैं। हमारा सहयोग क्वाड कार्यढांचे के तहत द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाता है, जो एक स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

(ख) से (घ) रक्षा मंत्री ने 22 नवंबर, 2024 को वियनतियाने, लाओ पीडीआर में 11वें एडीएमएम-प्लस के अवसर पर जापानी रक्षा मंत्री श्री जनरल नाकातानी से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच रक्षा उद्योग और प्रौद्योगिकी सहयोग के महत्व को दोहराया और 15 नवंबर 2024 को जापान में यूनिकॉर्न मस्ट के कार्यान्वयन संबंधी ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने का स्मरण किया। इन्होंने विनिर्माण क्षेत्र में सह-उत्पादन और सह-विकास में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों ने भारतीय और जापानी सेनाओं के बीच अंतर-संचालन को और बेहतर बनाने, दोनों देशों के बीच आपूर्ति और सेवा करार के पारस्परिक प्रावधान और विभिन्न द्विपक्षीय और

बहुपक्षीय अभ्यासों में सेनाओं की भागीदारी पर चर्चा की। दोनों देशों ने वायु क्षेत्र में सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने पर भी सहमति व्यक्त की।

(ड.) और (च) जापान भारत में विदेशी निवेश का पांचवां सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। 19 मार्च, 2022 को जापान के पूर्व प्रधानमंत्री महामहिम श्री फुमियो किशिदा की भारत यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने अगले पांच वर्षों में जापान से भारत में 5 ट्रिलियन जापानी येन के सार्वजनिक और निजी निवेश और वित्तपोषण को साकार करने, आपसी हित की उपयुक्त सार्वजनिक और निजी परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के अपने साझा हित को व्यक्त किया । भारत-जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता साझेदारी, स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी समकालीन एजेंडे को प्रतिबिंबित करती हैं, जिसका लक्ष्य विश्वसनीय और अनुकूल आपूर्ति श्रृंखलाओं, विश्वसनीय डिजिटल सहयोग और सुरक्षित हरित विकास को बढ़ावा देना है। नवंबर 2024 में टोक्यो में आयोजित रणनीतिक व्यापार और प्रौद्योगिकी सहित आर्थिक सुरक्षा पर वार्ता के दौरान, दोनों पक्षकारों ने आर्थिक सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलता तथा महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में साझेदारी से संबंधित विषयों पर चर्चा की।

*****